श्री केदारनाथ जी की आरती | By Rajendra Jain , K C Nimesh |

जय केदार उदार शंकर, भव भयंकर दु:ख हरम् ।
गौरी, गणपति, स्कन्द, नन्दी, श्री केदार नमाम्यहम् ॥
जय केदार उदार शंकर, भव भयंकर दु:ख हरम् ।
गौरी, गणपति, स्कन्द, नन्दी, श्री केदार नमाम्यहम् ॥

शैल सुन्दर अति हिमालय, शुभ्र मन्दिर सुन्दरम् ।
निकट मंदाकिनी सरस्वती, जय केदार नमाम्यहम् ॥
शैल सुन्दर अति हिमालय, शुभ्र मन्दिर सुन्दरम् ।
निकट मंदाकिनी सरस्वती, जय केदार नमाम्यहम् ॥

उदक कुंड है अधम पावन रेतस कुंज मनोहरम् ।
हंस कुंड समीप सुंदर जै केदार नमाम्यहम् ॥
उदक कुंड है अधम पावन रेतस कुंज मनोहरम् ।
हंस कुंड समीप सुंदर जै केदार नमाम्यहम् ॥

अन्नपूर्णा सहं अर्पणा काल भैरव शोभितम् ।
पंच पांडव द्रोपदी सम जै केदार नमाम्यहम् ॥
अन्नपूर्णा सहं अर्पणा काल भैरव शोभितम् ।
पंच पांडव द्रोपदी सम जै केदार नमाम्यहम् ॥

शिव दिगंबर भस्मधारी अर्द्धचंद्र विभुषितम् ।
शीश गंगा कंठ फणिपति जै केदार नमाम्यहम् ॥
शिव दिगंबर भस्मधारी अर्द्धचंद्र विभुषितम् ।
शीश गंगा कंठ फणिपति जै केदार नमाम्यहम् ॥

कर त्रिशूल विशाल डमरू ज्ञान गान विशारद् ।
मदमहेश्वर तुंग ईश्वर रूद्र कल्प गान महेश्वरम् ।
पंच धन्य विशाल आलय जै केदार नमाम्यहम् ।
नाथ पावन है विशालम् पुण्यप्रद हर दर्शनम् ।
जय केदार उदार शंकर पाप ताप नमाम्यहम् ॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%80-by-rajendra-j/